वर्ष-10//अंक-26// नवंबर // 2023
ISSN 2454–5805

आम आदमी पत्रिका

एक आम इंसान की सोच

RNI NO.: CHHHIN/2013/50684

सत्ता का संग्राम

CM भूपेश के किसानों के कर्ज पर बड़ी घोषणा के क्या हैं सियासी मायने!

भाजपा जीती, तो छग में कौन होगा सीएम का चेहरा ?

05

चुनावी तैयारियों के बीच छत्तीसगढ़ में बेखौफ नक्सलियों ने बीजेपी नेता को मारी गोली

08

3 दिन की छापेमारी में 50 करोड़ की मिली गड़बड़ी, आयकर विभाग के रडार पर छत्तीसगढ़ के ज्वैलर्स

32

हॉट सीट बनी पाटन विधानसभा, चाचा-भतीजे के बीच उतरे अमित जोगी ने भरा नामांकन

eyes events & advertising

CREATIVITY
IS TAKING A SIMPLE THING AND BRINGING IT TO LIFE

EVENTS | EXHIBITIONS | CORPORATE FILMS | VIDEO COMMERCIAL

Mo. : 97555-23831 www.eyesevents.in Follow us on

आम आदमी पत्रिका
वर्ष-10//अंक-26// नवंबर // 2023

प्रबंध संपादक : उमेश के बंसी
सर्कुलेशन इंचार्ज : प्रकाश बंसी
रिपोर्टर : नेहा श्रीवास्तव
कंटेंट राईटर : प्रशांत पारीक
क्रिएटिव डिजाइनर : देवेन्द्र देवांगन
मैग्ज़ीन डिज़ाइनर : आइज इवेंट्स
मार्केटिंग मैनेजर : किरण नायक
एडमिनिस्ट्रेशन : काजल सिंह
अकाउंट असिस्टेंट : प्रियंका सिंह
ऑफिस कॉर्डिनेटर : योगेन्द्र बिसेन

प्रधान कार्यालय
965/1 कक्कड़ चौक, श्याम नगर रोड, कटोरा तालाब,रायपुर, छत्तीसगढ़
फोन : 0771-4044047
ईल : khabar@aamaadmi.in
कार्यालय
प्लाट नं.118, कंचन बाग, राजनांदगांव

प्रकाशक
उमेश कुमार बंसी, क्वाटर नंबर 10, एम.एम. रियल स्टेट कॉलोनी, अमलीडीह, रायपुर (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित एवं मुद्रित

विशेष- इस पत्रिका में प्रकाशित लेखों में दिये गए विचार, लेखकों के अपने है। इसमें संपादक / मुद्रक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में संपादक / मुद्रक जिम्मेदार नहीं होगा। इस पत्रिका से संबंधित किसी भी विवाद के लिए सुनवाई क्षेत्र रायपुर न्यायालय होगा।

नवंबर 2023

इस अंक में

इस बार चुनाव में रायपुर रचेगा इतिहास: महिला अधिकारियों के हाथ में रहेगी

रायपुर. मास्टर ट्रेनर ने पूछा मतदान क्रमांक-02 का क्या कार्य है. महिला प्रशिक्षणार्थियों बताया कि अमिट स्याही लगाना, पर्ची देना, रजिस्टर में हस्ताक्षर कराना. उनके सटीक एवं सही जवाब से मास्टर ट्रेनर संतुष्ट हुए और सराहना भी की. यह दृष्य एनआईटी में मतदान दलों का प्रशिक्षण के दौरान का था. 10

कैंडिडेट के साथ फॉर्म भरने पहुंची कुमारी शैलजा से मिलने नहीं पहुंचे मौजूदा एमएलए 06

बलरामपुरः छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के चलते प्रत्याशियों को राजनैतिक पार्टियों ने टिकट दिए है तो कई नए चेहरे उतराने के लिए पुराने नेताओं के टिकट काट दिए है.

BJP को चुनाव आयोग ने दिया तगड़ा झटका 15

नई दिल्ली. चुनाव आयोग भारतीय जनता पार्टी को तगड़ा झटका दिया है. आयोग ने स्पष्ट कहा है कि 5 चुनावी राज्यों में 5 दिसंबर तक 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' नहीं निकाली जाए.

पहले चरण में 46 प्रत्याशी करोड़पति, दो के पास पैसे ही नहीं, आप के उम्मीदवार सबसे अमीर 14

रायपुर. छत्तीसगढ़ में 7 और 17 नवंबर को विधानसभा चुनाव का मतदान होना है. पहले चरण की 20 सीटों पर कुल 233 प्रत्याशी मैदान पर हैं. इनमें से 46 प्रत्याशी करोड़पति हैं.

छत्तीसगढ़ में बीपीएल परिवारों का 5 की जगह 10 लाख तक का इलाज 18

रायपुर. राहुल ने दो नई घोषणाएं करते हुए कहा कि कांग्रेस की फिर से सरकार बनने पर राज्य सरकार द्वारा स्वास्थ्य बीमा योजना को 5 की जगह 10 लाख रुपए किया जाएगा.

तीसरे विश्व युद्ध की ओर बढ़ती दुनिया 23

कांतिलाल मांडोत, टिप्पणीकार. लगता है, इजरायल और हमास के आतंकियों के बीच छिड़ी जंग वैश्विक विनाश की राह पर जाकर ही खत्म होगी.

कौन हैं पंडरिया से बीजेपी कैंडिडेट भावना बोहरा? 34

छत्तीसगढ़ चुनावः छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव होने है। बीजेपी ने अपनी तीसरी लिस्ट जारी कर भावना बोहरा (ब्राह्मण) को टिकट दिया है।

मतदान का पहला दौर

उमेश के बंसी
(प्रबंध संपादक)

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के पहले चरण में मंगलवार को मिजोरम की सभी 40 सीटों और छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों की 20 सीटों के लिए पड़े मतदान का भारी प्रतिशत साफ बता रहा है कि अपने अमृत काल तक आते-आते भारतीय लोकतंत्र की जड़ें कितनी पुख्ता हो चली हैं. निस्संदेह, यह हमारे लोकतंत्र की परिपक्वता की मुनादी है. गौर कीजिए, ये सभी सीटें आदिवासी बहुल इलाकों की हैं, जिन्हें समाज में हाशिये पर माना जाता रहा है. खासकर छत्तीसगढ़ में सुरक्षा संबंधी तमाम गंभीर चिंताओं के बावजूद बड़ी तादाद में मतदाता मतदान केंद्र तक आए, तो इसके लिए चुनाव आयोग और स्थानीय प्रशासन की निश्चय ही सराहना की जानी चाहिए. हालांकि, हर बार की तरह इस बार भी नक्सलियों ने मतदाताओं को भयभीत करने के लिए अपने तईं पूरी कोशिश की थी. बीते शनिवार को ही नारायणपुर जिले के भाजपा नेता की नृशंस हत्या कर दी गई थी. मतदान के दौरान भी सुकमा और कांकेर में सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में कम से कम तीन सुरक्षाकर्मी जख्मी हो गए. नक्सलियों को समझना चाहिए कि मतदाताओं की बढ़ी आकांक्षाओं के आगे अब उनका आतंक बेमानी हो चुका है. यह चुनाव-दर-चुनाव साबित हो रहा है. मंगलवार को शाम पांच बजे तक इन 20 सीटों पर लगभग 71 फीसदी वोट पड़ चुके थे. ऐसे में, उम्मीद की जानी चाहिए कि जब शेष 70 सीटों पर 17 नवंबर को वोट पड़ेंगे, तब छत्तीसगढ़ अपने पिछले रिकार्ड 76.45 प्रतिशत मतदान को पीछे छोड़ देगा.

मिजोरम एक जनजाति बहुल प्रदेश है. इसकी 40 में से 39 सीटें आरक्षित हैं. मगर वहां के नागरिक अपने लोकतांत्रिक दायित्व के प्रति कितने जागरूक हैं, इसका अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि पिछले कई चुनावों से वहां 80 प्रतिशत से अधिक मतदाता अपने जन-प्रतिनिधि चुनने को बाहर निकलते रहे हैं. पूर्वोत्तर के अपेक्षाकृत शांत सूबों में शुमार मिजोरम का विधानसभा चुनाव इस बार इसलिए भी अहम है कि इससे सतबहिनी राज्यों की सियासी हवा के कुछ संकेत मिलेंगे. पिछले सात महीनों से अशांत मणिपुर की आंच मिजोरम तक भी पहुंची है, क्योंकि वहां बड़ी संख्या में कुकी आबादी बसती है और इस घटनाक्रम के बाद पूर्वोत्तर के किसी राज्य का यह पहला चुनाव है, इसलिए नई दिल्ली को भी इस सूबे के जनादेश का खास इंतजार होगा.

पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनाव इसलिए भी खास हैं कि न सिर्फ ये अखिल भारतीय विस्तार लिए हुए हैं, बल्कि 3 दिसंबर को इनके नतीजों के साथ ही देश में आम चुनाव की सुगबुगाहट तेज हो जाएगी. इसलिए चाहे भारतीय जनता पार्टी हो या कांग्रेस या फिर दावेदार क्षेत्रीय पार्टियां, वे जानती हैं कि इन विधानसभा चुनावों के नतीजों की छाया कुछ न कुछ आम चुनाव पर भी पड़ेगी. इसलिए लाजिम है कि पार्टियों ने पूरा जोर लगा दिया है. मिजोरम और तेलंगाना में जहां क्षेत्रीय दलों की सरकारें हैं, तो वहीं राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने हैं. पहले चरण के मतदान में मतदाताओं ने जो उत्साह दिखाया है, यदि अन्य राज्यों के अगले चरणों में वह बरकरार रहा, तो यकीनन यह लोकतंत्र के लिए शुभ होगा. पहले चरण के मतदान की परीक्षा में चुनाव आयोग सफल रहा है, पर उसे अभी मतदान के तीन और चरणों से गुजरना है. उम्मीद है, वह इन्हें भी शांतिपूर्ण व निष्पक्ष सुनिश्चित कराने में सफल होगा.

चुनावी तैयारियों के बीच छत्तीसगढ़ में बेखौफ नक्सलियों ने बीजेपी नेता को मारी गोली

> रायपुरः छत्तीसगढ़ के मोहला- मानपुर जिले के सरखेड़ा में नक्सलियों ने द्वारा भाजपा नेता की गोली मारकर हत्या कर दी. बताया जा रहा है कि यह घटना शुक्रवार रात 8:30 बजे की है, जब वह पूजा करके घर लौट रहा था. उसी समय नक्सलियों ने भाजपा मंडल के पूर्व महामंत्री बिरझू ताराम को गोली मार दी है. घटना की जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई है वहीं क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया है. इस साल बस्तर में नक्सलियों के द्वारा एक के बाद कई भाजपा नेताओं की हत्या के बाद अब मोहला मानपुर में भी भाजपा नेता की हत्या की गई है.

यह पूरी घटना मोहला मानपुर जिले के अंबागढ़ चौकी की बताई जा रही है. यहां एक चुनावी सभा भी थी, जिसमें भाजपा मंडल के पूर्व महामंत्री बिरझू भी शामिल हुए थे. कार्यक्रम के बाद वह अपने गांव सरखेड़ी लौट आए, जहां बंदूक धारी नक्सलियों ने बीच बस्ती में भाजपा नेता को गोली मार दी. इस पूरी घटना में 8 से 10 बंदूकधारी नक्सलियों के द्वारा बीजेपी नेता पर एक के बाद एक गोली दागने की बात सामने आ रही है. इतना ही नहीं नक्सलियों के द्वारा हत्या करने के बाद लाल सलाम के नारे भी लगाए गए.

घटना की खबर लगते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई और विधानसभा क्षेत्र में चारों तरफ से नाकेबंदी भी कर दी गई है. इस पूरी घटना को लेकर थाना प्रभारी देवेंद्र दरों ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि सरखेड़ी गांव में नक्सलियों ने बिरझू ताराम की हत्या कर दी है. एतिहातन वहां पर फोर्स भेज दी गई है. बता दें कि भाजपा नेता बिरझू के द्वारा मेरा गांव नाम की जगह पर देवी प्रतिमा की स्थापना की गई थी. कुछ लोगों ने जंगल में जाकर प्रतिमा को जला दिया था. इसके बाद नवरात्र से पहले ताराम ने फिर से देवी की स्थापना की और वह लगातार पूजा अर्चना कर रहे थे.

बलरामपुरः छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के चलते प्रत्याशियों को राजनैतिक पार्टियों ने टिकट दिए है तो कई नए चेहरे उतराने के लिए पुराने नेताओं के टिकट काट दिए है. इसका असर भी नामांकन भरने के समय में दिखाई दे रहा है. कई नेता पार्टी से अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं. कई निर्दलीय लड़कर तो कई टिकट मिलने वाले प्रत्याशी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करके. ऐसे ही एक विरोध का सामना प्रदेश कांग्रेस प्रभारी कुमारी शैलजा, सह प्रभारी चंदन यादव और डेप्युटी सीएम टीएस सिंहदेव को करना पड़ा.

कांग्रेस नेताओं की नाराजगी आई सामने, कैंडिडेट के साथ फॉर्म भरने पहुंची कुमारी शैलजा से मिलने नहीं पहुंचे मौजूदा एमएलए

दरअसल, गुरुवार के दिन कांग्रेस प्रभारी कुमारी शैलजा, सह प्रभारी चंदन यादव और कांग्रेस के डेप्युटी सीएम टी एस सिंहदेव प्रत्याशियों के नामांकन भरने बलरामपुर पहुंचे थे. इस दौरान पार्टी से नाराज दो विधानसभा सीटों के एमएलए वहां से नदारद रहे. वे रिटर्निंग ऑफिस पर भी नहीं पहुंचे थे.

कैंडिडेट के नामांकन भरने पहुंची प्रदेश प्रभारी शैलजा

कांग्रेस प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा, सह प्रभारी चंदन यादव और डेप्युटी सीएम टीएस सिंहदेव बलरामपुर पहुंचे. तीनों यहां पर रामानुजगंज सीट से कांग्रेस प्रत्याशी अजय तिर्की और सामरी विधानसभा सीट से प्रत्याशी विजय पैंकरा के नामांकन दाखिले के कार्यक्रम में शामिल हुए.

नाराज विधायकों ने किया शक्ति प्रदर्शन

इस दौरान कांग्रेस के रामानुजगंज व सामरी विधानसभा सीट से मौजूदा विधायक नदारद रहे. यही नहीं कांग्रेस के नाराज विधायकों ने रैली निकालकर शक्ति प्रदर्शन किया. वहीं, डेप्युटी सीएम टीएस सिंहदेव ने सरगुजा संभाग में जनता से बड़ी बात कही. टीएस सिंह देव ने कहा कि जहां से भी प्रत्याशी नामांकन फॉर्म भर रहे हैं

ऐसा लगता है कि वहां से मैं चुनाव लड़ रहा हूं. इतना ही उन्होंने कहा कि पूरे सरगुजा संभाग सहित छत्तीसगढ़ में फिर से कांग्रेस की सरकार बन रही है.

पूर्ण बहुमत से बनेगी कांग्रेस की सरकार

प्रदेश प्रभारी शैलजा का कहना था कि वर्तमान समय मे प्रदेश में कांग्रेस के पास 71 सीटें है. बीच-बीच में कहीं-कहीं पर कार्यकर्ताओं की मांग थी की नए चेहरों को मौका दिया जाना चाहिए. जिस पर विचार करते हुए पार्टी ने टिकट का वितरण किया है. वहीं, नाराज दोनों सिटिंग एमएलए को लेकर कहा की पार्टी के प्रति जिनकी निष्ठा है वे पार्टी में ही रहे. प्रदेश प्रभारी ने दावा किया है की कांग्रेस इस बार फिर प्रदेश में सरकार बनायेगी.

3 दिन की छापेमारी में 50 करोड़ की मिली गड़बड़ी, आयकर विभाग के रडार पर छत्तीसगढ़ के ज्वैलर्स

आयकर विभाग इन दिनों छत्तीसगढ़ में खूब सक्रिय है. महादेव एप को लेकर ईडी के छापों के बीच अब इनकम टैक्स की छापे की खबर है. राज्य में 3 दिन से छापेमारी कर रहे आयकर विभाग ने 50 करोड़ रुपए की गड़बड़ी पकड़ी है. तलाशी में 20 करोड़ रुपए की ज्वैलरी और लगभग 3 करोड़ रुपए कैश बरामद हुआ है.

आयकर विभाग के रडार पर छत्तीसगढ़ के ज्वैलर्स

रायपुरः छत्तीसगढ़ के रायपुर और जगदलपुर में आयकर विभाग ने लगातार तीन दिन तक छापेमारी की. जांच के दौरान विभाग को 50 करोड़ रुपए की गड़बड़ी मिली है. जांच के बाद आयकर विभाग ने दस्तावेजों को जब्त कर अरिहंत ज्वैलर्स के शोरूम संचालक और उनके सहयोगियों से पूछताछ कर उनके बयान लिए हैं. इसके साथ ही तलाशी के दौरान 20 करोड रुपए की ज्वैलरी और 3 करोड रुपए नगद भी बरामद हुए थे. वहीं ज्वैलरी संचालकों के लॉकर की तलाशी भी की गई है, जिसमें कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद हुए हैं.

बताया जा रहा है कि जगदलपुर और रायपुर में ज्वेलरी संचालकों के घर और शोरूम में आयकर विभाग लगातार छापेमार कार्रवाई कर रहा था. तीन दिन तक यह पूरी कार्रवाई चली है. इस पूरी कार्रवाई में करोड़ों रुपए की ज्वेलरी और कैश बरामद हुआ है, जिसमें से ढाई करोड रुपए नगद और ढाई करोड रुपए की ज्वैलरी का हिसाब किताब संचालकों के पास नहीं मिला.

आयकर विभाग की टीम इन सभी को जब्त कर अपने साथ ले गई है. वहीं कंप्यूटर लैपटाप का डाटा, मोबाइल का डाटा भी जब्त कर लिया गया है. ज्वैलरी संबंधित खरीदी बिक्री के कई बिल भी बरामद हुए हैं. बताया जा रहा है कि ज्वैलरी कारोबारी कच्ची और पक्के दोनों में ज्वैलरी खरीदने थे, जिनकी रसीदों का मिलान किया जा रहा है.

इसमें से अधिकांश लेनदेन कच्चे में किया गया है. यह अपने शोरूम को संचालन करने के लिए सूरत के डायमंड मुंबई और कोलकाता से सोना और चांदी की ज्वैलरी मंगाया करते थे, जितनी ज्वैलरी आई है. उन सभी का रसीद गायब कर दिया गया है, जिससे आशंका जताई जा रही है कि यह पूरा माल कच्चे में लिया गया है. इससे शो-रूम संचालकों पर टैक्स चोरी का आरोप लग रहा है.

आयकर विभाग की जांच में कई प्रापर्टी के दस्तावेजों की जांच भी की गई है. इसमें ज्वैलरी संचालक को और उनके परिजनों के नाम पर खरीदे गए करोड़ों रुपए के प्रापर्टी के दस्तावेज मिले हैं,

इसमें कुछ पर आयकर विभाग को संदेह है कि कुछ प्रापर्टी को बेनामी तरीके से खरीदा गया है. विभाग ने इन सभी प्रापर्टी की दस्तावेजों को भी जब्त कर लिया है और राजस्व विभाग से इसकी जानकारी मांगी गई है.

इसके साथ ही तीन बैंक के लॉकर की भी जांच की गई है. इन लॉकर में से एक में शनिवार को आयकर विभाग ने तलाशी ली. इसमें से एक लॉकर में कुछ ज्वैलरी मिली है, जिसका मूल्यांकन करके लॉकर की चाबी संचालक को वापस कर दिया गया है. वहीं दो अन्य लॉकर में कुछ नहीं मिलने के कारण रायपुर स्थित बैंक के मैनेजर से भी पूछताछ कर जानकारी मांगी गई है.

इस बार चुनाव में रायपुर रचेगा इतिहास: महिला अधिकारियों के हाथ में रहेगी

रायपुर. मास्टर ट्रेनर ने पूछा मतदान क्रमांक-02 का क्या कार्य है. महिला प्रशिक्षणार्थियों बताया कि अमिट स्याही लगाना, पर्ची देना, रजिस्टर में हस्ताक्षर कराना. उनके सटीक एवं सही जवाब से मास्टर ट्रेनर संतुष्ट हुए और सराहना भी की. यह दृष्य एनआईटी में मतदान दलों का प्रशिक्षण के दौरान का था. यहां ट्रेनिंग ले रहीं महिलाएं उत्साह से लबरेज थी, क्योंकि जिले का यह विधानसभा चुनाव प्रदेश के निर्वाचन में एक नया इतिहास रचने जा रहा है. यहां के दो विधानसभा महिलाओं के जिम्मे होगा. यहां टॉप से लेकर यूनिट तक निर्वाचन का कार्य महिलाओं को सौंपा जाएगा. यह विधानसभा में उत्तर और पश्चिम है. वास्तव में यह महिला सशक्तिकरण का परिदृष्य है.

कलेक्टर सर्वेश्वर भुरे ने बताया कि रायपुर उत्तर विधानसभा सीट की पूरी जिम्मेदारी महिलाओं के हाथ में रहेगी. राज्य निर्वाचन आयोग महिला मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित और महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष बूथ संगवारी केंद्र बनाए जा रहे है. जिले के उत्तर और पश्चिम विधानसभा में सभी बूथों को संगवारी मतदान केन्द्र बनाया जा रहा हैं. उत्तर विधानसभा में 18 सेक्टर है. इसमें 01 सेक्टर में महिला अधिकारी होंगी. वहीं 265 कुल मतदान केन्द्र 1 हजार 60 महिला अधिकारियों के हवाले होगा. 265 बूथ में पीठासीन अधिकारी, मतदान क्रमांक 01,02,03 में सभी जगहों पर महिला अधिकारी-कर्मचारी को तैनात किया जाएगा. अर्थात् यहां 265 पीठासीन अधिकारी और 7 सौ 95 मतदान अधिकारी रहेंगे. सबसे प्रमुख बात यह है कि इस विधानसभा के मुख्य ऑब्जर्वर 01 महिला आई.ए.एस अधिकारी विमला आर. है साथ ही उनकी लाईजिनिंग ऑफिसर भी महिला है. साथ ही अधिक से अधिक महिला पुलिस बल भी तैनात किए जा रहे है. यहां पर मतदान पर्ची चेक करने से लेकर उंगली में स्याही लगाने और रजिस्टर में हस्ताक्षर के साथ वोटिंग करवाने तक महिलाएं ही नजर आएंगी.

पश्चिम विधानसभा को भी पूर्ण रूप से महिला अधिकारियों के जिम्मे सौंपने की तैयारी की जा रही हैं. 15 सेक्टर और 201 मतदान केन्द्र है. यहां भी 01 सेक्टर महिला अधिकारी होंगी. साथ ही बूथों में 804 महिला अधिकारी होंगी, जिनमें 201 पीठासीन अधिकारी और 603 मतदान अधिकारी होंगी. कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सर्वेश्वर भुरे ने बताया कि जिले के इस बार 02 विधानसभा उत्तर और पश्चिम में निर्वाचन कार्य में पूर्ण रूप से महिलाओं की तैनाती की जा रही है. उन्होंने कहा कि महिला अधिकारी - कर्मचारी हमेशा अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करती हैं यह सराहनीय है. यह प्रयास किया जा रहा है कि उनकी ड्यूटी मतदान केन्द्र सहित जहां भी लगाई जाएगी वहां पर उनके लिए मूलभूत सुविधा मुहैया कराई जाएगी, ताकि उन्हे कोई तकलीफ ना हो.

गौरतलब है कि 26 और 27 अक्टूबर को मतदान दलों का प्रशिक्षण हुआ, जिसमें निर्वाचन कार्य मे संलग्न महिला कर्मियों ने प्रशिक्षण लिया. यहां प्रशिक्षणरत शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला, चंगोराभाठा की शिक्षिका अनिता वर्मा, शासकीय उच्चतर. माध्यमिक विद्यालय, पंडित रविशंकर यूनिवर्सिटी परिसर की शिक्षिका छाया तिवारी और शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, लालपुर की शिक्षिका सुमन पंजाबी का कहना है कि यह महिलाओं के लिए गर्व की बात है कि लोकतंत्र के इस महापर्व में हमे ऐसी महती जिम्मेदारी सौंपी जा रही है. हमारे पूरी टीम में अभूतपूर्व उत्साह और प्रसन्नता है. हम इस जिम्मेदारी को बहुत ही अच्छे ढंग और कुशलता पूर्वक परिणाम तक पहुंचाएंगे.

जिले के सातों विधानसभा में संगवारी मतदान केन्द्र बनाएं जा रहें हैं जिसका विवरण इस प्रकार है- धरसींवा विधानसभा क्रमांक-47 में 10, रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्रमांक-48 में 10, रायपुर पश्चिम विधानसभा-49 में 265, रायपुर उत्तर विधानसभा क्रमांक-50 में 201, रायपुर दक्षिण विधानसभा क्रमांक-51 में 10, आरंग विधानसभा क्रमांक-52 में 10, अभनपुर विधानसभा क्रमांक-53 में 10 संगवारी मतदान केन्द्र बनाए गए हैं.

CM भूपेश के किसानों के कर्ज पर बड़ी घोषणा के क्या हैं सियासी मायने!

रायपुर. सीएम भूपेश बघेल ने विधानसभा स्पीकर डॉ. चरणदास महंत के गढ़ जांजगीर में किसानों के लिए कर्ज माफी का ऐलान किया है। 2018 के विधानसभा चुनाव के दौरान भी कांग्रेस ने किसानों की कर्ज माफी का ऐलान किया था। कांग्रेस के घोषणा पत्र में बाकायदा यह नारा था - किसानों का कर्ज माफ-बिजली बिल हॉफ। कांग्रेस सरकार बनने के बाद पहला निर्णय कर्ज माफी के लिए ही लिया गया। इन पांच सालों में किसानों की आमदनी बढ़ी। साथ ही, कर्ज लेने वाले भी बढ़े हैं। इसे ध्यान में रखकर सीएम भूपेश ने एक बड़ा सियासी दांव खेल दिया है।

सीएम के ऐलान के बाद सियासी गलियारे में यह बहस छिड़ गई कि घोषणा पत्र से पहले ही यह ऐलान क्यों किया? इसे लेकर तरह-तरह के तर्क हैं, लेकिन यह माना जा रहा है कि सीएम ने चुनावी माहौल के बीच एक बड़ा ऐलान कर चुनाव अभियान को किसानों पर केंद्रित कर दिया है। राज्य में यह बड़ा मुद्दा है। हाल में भाजपा नेताओं की सभाओं में पूरा फोकस बिरनपुर की घटना, कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार पर था। सीएम ने धान बोने वाले किसानों के गढ़ जांजगीर में यह ऐलान कर माहौल बना दिया। 2018 के चुनाव में जब कांग्रेस की लहर थी, तब जांजगीर जिले में कमजोर प्रदर्शन रहा। यहां दो सीटें भाजपा और दो सीटें बसपा ले गई थी।

एक और मायने जो निकाले जा रहे हैं, वह राजनीतिक समीकरणों को लेकर काफी मायने रखते हैं। सीएम ने विधानसभा स्पीकर के गढ़ में यह ऐलान कर अपनी लकीर बड़ी कर ली है। स्पीकर सीनियर नेता हैं। वे केंद्र में राज्यमंत्री रह चुके हैं और गांधी परिवार से सीधे जुड़े हुए हैं। वहां जाकर सीएम ने यह ऐलान किया। बहरहाल, सीएम के ऐलान के बाद राजनीति गरमा गई है। भाजपा ने सीएम के साथ-साथ कांग्रेस सरकार पर हमले तेज कर दिए हैं। यह माना जा रहा है कि सीएम के ऐलान के बाद अब चुनाव के केंद्र में किसान आ जाएंगे।

राहुल गांधी का कांकेर से बड़ा ऐलान, KG से PG तक मिलेगी मुफ्त शिक्षा...

कांकेर. कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कांकेर में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ के लोगों के छात्रों के लिए केजी से लेकर पीजी तक सरकारी संस्थानों में मुफ्त शिक्षा का एलान किया. इसके साथ ही उन्होंने तेंदूपत्ता उत्पादकों के लिए चार हजार रुपए मानक बोरी तय करने, और लघु वनोपज में न्यूनतम समर्थन मूल्य से दस रुपए अतिरिक्त देने का ऐलान किया.

कांकेर जिला के भानुप्रतापपुर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने केंद्र सरकार और भाजपा के साथ अडानी पर हमला किया. उन्होंने कहा कि सरकार चलाने के दो तरीके होते हैं, या तो आप देश-प्रदेश के अमीर लोगों को फायदा पहुंचाओं, या फइर दूसरा गरीब लोगों को फायदा पहुंचाओं. हमारी सरकार किसानों, गरीब, मजदूरों की मदद करती है, उनकी सरकार बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, लेकिन अंत में वे अडानी की मदद करते हैं. हम जो कुछ भी करते हैं किसानों के लिए, मजदूरों के लिए, दलितों के लिए, पिछड़ों के लिए करते हैं. हम मनरेगा लेकर आए. भोजन का अधिकार हम लेकर आए, कर्जा माफी हमने की. क्योंकि हम जानते हैं कि जब तक हम कमजोर लोगों की मदद नहीं करेंगे, देश खड़ा नहीं हो सकता है. राहुल गांधी ने इसके साथ ही ओबीसी जनगणना का सवाल एक बार फिर से उठाते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी कहते हैं कि हम

पिछड़ों की सरकार चलाते हैं, ओबीसी की सरकार चलाते हैं, तो फिर आप ओबीसी जनगणना से क्यों डरते हैं. आज जितना भागीदारी ओबीसी की है, उतनी और किसी की नहीं है. यह सच्चाई आप नहीं बताना चाहते हो. आज ओबीसी को ठगा जा रहा है. देश की 50 प्रतिशत आबादी ओबीसी वर्ग की है, लेकिन उनको बजट में पांच प्रतिशत भागीदारी मिल रही है. केंद्र में सरकार आने पर जाति जनगणना कराएंगे, वहीं छत्तीसगढ़ में सरकार बनते ही जातिगत सर्वे कराया जाएगा.

राहुल गांधी ने इसके बाद आदिवासियों को लेकर कांग्रेस और भाजपा की सोच का अंतर बताते हुए कहा कि हम आदिवासी कहते हैं, लेकिन वे वनवासी कहते हैं. आदिवासी का मतलब वो लोग, जो हिन्दुस्तान के पहले मालिक थे. आदिवासियों को जमीन का अधिकार मिलना चाहिए, उनकी संस्कृति, जंगल, उनकी जमीन की रक्षा करनी चाहिए. क्योंकि वे हिन्दुस्तां के पहले और पुराने मालिक हैं. वहीं वनवासी का शब्द का मतलब यह नहीं है कि आप हिन्दुस्तान के पहले मालिक थे. वनवासी का मतलब है कि आप लोग जंगल में रहते हो. वनवासी शब्द हिन्दुस्तान के आदिवासियों का अपमान है. आप पर आक्रमण है, आपकी संस्कृति पर, आपके इतिहास पर, आपके अलग-अलग भाषाओं पर आक्रमण है. सच्चा शब्द आदिवासी है.

पहले चरण में 46 प्रत्याशी करोड़पति, दो के पास पैसे ही नहीं, आप के उम्मीदवार सबसे अमीर

> रायपुर. छत्तीसगढ़ में 7 और 17 नवंबर को विधानसभा चुनाव का मतदान होना है. राज्य में चुनावी प्रचार चरम पर है. एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिमार्म्स (ADR) की रिपोर्ट के मुताबिक, पहले चरण की 20 सीटों पर कुल 233 प्रत्याशी मैदान पर हैं. इनमें से 46 प्रत्याशी करोड़पति हैं.

2023 में पहले चरण में उतरे 233 प्रत्याशियों में से 21 फीसदी यानी 46 प्रत्याशी करोड़पति हैं. इन सभी प्रत्याशियों के औसत धन की बात करें तो 1.34 करोड़ रुपए है. 11 प्रत्याशी ऐसे हैं, जिनकी संपत्ति पांच करोड़ या इससे ज्यादा है. 18 उम्मीदवारों की संपत्ति दो से पांच करोड़ के बीच है. 50 लाख से दो करोड़ की संपत्ति वाले 38 उम्मीदवार मैदान में हैं. ऐसे उम्मीदवार जिनकी दौलत 10 लाख से 50 लाख है उनकी संख्या 50 है. वहीं 106 प्रत्याशियों की संपत्ति 10 लाख से कम है.

कांग्रेस के 17 और भाजपा के 14 प्रत्याशी करोड़पति

पहले चरण में कांग्रेस के 17 उमीदवार करोड़पति हैं. वहीं भाजपा के 14 प्रत्याशी करोड़पति हैं. आम आदमी पार्टी के कुल 10 उम्मीदवारों में से तीन करोड़पति हैं.

वहीं जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जोगी) के दो उम्मीदवारों की संपत्ति एक करोड़ रुपए से ज्यादा की है. पहले चरण के सबसे अमीर प्रत्याशी कवर्धा सीट से आप के खडगराज सिंह हैं. खडगराज की कुल संपत्ति 40 करोड़ है. दूसरे नंबर पर पंडरिया से भाजपा की भावना बोहरा हैं, जिनकी संपत्ति 33 करोड़ रुपए है. वहीं, जगदलपुर से कांग्रेस के जतीन जयसवाल तीसरे सबसे अमीर प्रत्याशी हैं. जतीन की कुल संपत्ति 16 करोड़ है.

दो प्रत्याशियों के पास कोई संपत्ति नही

एडीआर रिपोर्ट के मुताबिक पहले चरण में चुनाव लड़ हे उम्मीदवारों में दो ऐसे प्रत्याशी भी हैं, जिनकी कोई संपत्ति ही नहीं है. कंकेर से आजाद जनता पार्टी की पर्वती तेता और मोहला मानपुर के उम्मीदवार नागेश पुरम ने बताया है कि उनके पास कोई संपत्ति नहीं है.

करोड़पति दावेदार

पार्टी	करोड़पति प्रत्याशी
कांग्रेस	17
भाजपा	14
आप	03
जनता कांग्रेस	02

BJP को चुनाव आयोग ने दिया तगड़ा झटका, कहां - 5 चुनावी राज्यों में नहीं निकाल सकेंगे 'विकसित भारत संकल्प यात्रा'

नई दिल्ली. चुनाव आयोग भारतीय जनता पार्टी को तगड़ा झटका दिया है. आयोग ने स्पष्ट कहा है कि 5 चुनावी राज्यों में 5 दिसंबर तक 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' नहीं निकाली जाए. केंद्र सरकार ने अपनी योजनाओं को जमीन तक ले जाने के लिए 15 नवंबर से देशभर में यह यात्रा निकालने की योजना बनाई है. केंद्रीय सूचना - प्रसारण सचिव अपूर्व चंद्रा ने कहा कि आचार संहिता हटने के बाद ही 5 दिसंबर के बाद से इन राज्यों में यह अभियान शुरू किया जाएगा.

केंद्र सरकार ने अपनी योजनाओं को जमीन तक ले जाने के लिए 15 नंवबर से देशभर में 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' निकालने ग्राम की योजना बनाई है जो दो महीने चलेगी. यात्रा से सरकार देश के सभी 765 जिलों और 2.55 लाख ग्राम पंचायतों को कवर करेगी.

यात्रा की शुरुआत पीएम 15 नवंबर को बिरसा मुंडा जयंती-जन जाति गौरव दिवस के अवसर पर सूचना, शिक्षा और संचार वैन को हरी झंडी दिखाकर इस यात्रा का शुभारंभ करेंगे.

बस्तर के होटल में मिली इटली निवासी 71 साल के इंजीनियर की लाश, मचा हड़कंप

छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में एक होटल में इटली के नागरिक का शव मिला है. इसके बाद सनसनी फैल गई. सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जायजा लिया. पुलिस ने विदेशी नागरिक के शव को कब्जे में लेकर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. वहीं शव को इटली भेजने की भी तैयारी की जा रही है.

जानकारी के अनुसार, यह मामला जगदलपुर शहर के एक होटल का है. विदेशी नागरिक का शव संदेहास्पद परीस्थिति में मिला है. विदेशी नागरिक की पहचान इटली के रहने वाले 71वर्षीय मोरे फ्रांसिस्को के रूप में हुई है. बताया जा रहा है कि पेशे से इंजीनियर मोरे नगरनार एनएमडीसी स्टील प्लांट में अपनी सेवाएं देने जगदलपुर आए थे. वह पिछले 4 माह से यहां रह रहे थे. हाल ही में वह इटली से बस्तर लौटे थे. इटली के इटालियाना शहर के रहने वाले मोरे फ्रांसिस्को पिछले 17 अक्टूबर से होटल में रुके थे.

होटल के कमरा नंबर 305 में ठहरे थे इटली के इंजीनियर

इटली के रहने वाले मोरे होटल के कमरा नंबर 305 में ठहरे थे. होटल के स्टाफ को आज सुबह से कोई हलचल नहीं दिखी तो कमरे का दरवाजा खोला गया. इस दौरान देखा तो अंदर मोरे फ्रांसिस्को का शव बिस्तर पर पड़ा था. होटल कर्मियों ने इस मामले की जानकारी कोतवाली थाने में पुलिस को दी. पुलिस मौके पर पहुंची और घटना का जायजा लिया.

घटना के बारे में क्या बोले सीएसपी?

इस मामले के संबंध में सीएसपी विकास कुमार ने हार्टअटैक से मौत होने की आशंका जताई है. फिलहाल मौत के कारणों के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है. पुलिस ने विदेशी नागरिक की मौत की जांच शुरू कर दी है. बस्तर पुलिस मोरे फ्रांसिस्को के शव को पोस्टमार्टम के बाद इटली भेजने की तैयारी कर रही है. इस संबंध में इटली एम्बेसी से संपर्क किया गया है.

पति ने चुपके से पत्नी की कॉल रिकॉर्ड की, हाई कोर्ट पहुंच गया मामला, फिर...

> छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने एक मामले में टिप्पणी करते हुए कहा कि किसी व्यक्ति की जानकारी के बिना उसके मोबाइल पर बातचीत को रिकॉर्ड करना अनुच्छेद 21 के तहत निजता के अधिकार का उल्लंघन है. इसी के साथ फैमिली कोर्ट के आदेश को रद्द कर दिया है. हाई कोर्ट ने कहा कि पति द्वारा पत्नी की जानकारी के बिना फोन पर उसकी बातचीत रिकॉर्ड करना उसके निजता के अधिकार का उल्लंघन है. संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत याचिकाकर्ता के अधिकार का भी उल्लंघन है.

दरअसल, हाईकोर्ट एक महिला द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा था. महिला ने साल 2019 से लंबित रखरखाव मामले में पति ने आवेदन को अनुमति देने वाले फैमिली कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी. महिला ने महासमुंद जिले की फैमिली कोर्ट में अपने पति से गुजारा भत्ता पाने के लिए एक आवेदन दायर किया था. पति ने फैमिली कोर्ट में अपनी पत्नी से दोबारा पूछताछ की मांग की कि उसकी मोबाइल रिकॉर्डिंग है, वह उससे जिरह करना चाहता है. मोबाइल पर रिकॉर्ड की गई बातचीत उसके सामने रखना चाहता है. वकील वैभव ए. गोवर्धन ने कहा कि फैमिली कोर्ट ने 21 अक्टूबर 2021 के एक आदेश में महिला के पति के आवेदन को स्वीकार कर लिया. इसके बाद महिला ने साल 2022 में फैमिली कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया. महिला का पति मोबाइल रिकॉर्डिंग के जरिए फैमिली कोर्ट के सामने यह साबित करने की कोशिश कर रहा था कि उसकी पत्नी गलत आचरण कर रही है. इसलिए तलाक के बाद उसे गुजारा भत्ता देने की जरूरत नहीं है.

महिला के वकील ने हाईकोर्ट में दी ये दलील

हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान महिला के वकील ने कहा कि फैमिली कोर्ट ने आवेदन की अनुमति देकर कानूनी गलती की है, क्योंकि इससे याचिकाकर्ता की निजता के अधिकार का उल्लंघन हुआ है. उसकी जानकारी के बिना उसकी बातचीत रिकॉर्ड की गई. इसका उपयोग उसके विरुद्ध नहीं किया जा सकता. वकील ने सुप्रीम कोर्ट और मध्य प्रदेश हाईकोर्ट द्वारा पारित कुछ निर्णयों का हवाला दिया. इसके बाद 5 अक्टूबर को हाईकोर्ट के जस्टिस राकेश मोहन पांडे ने फैमिली कोर्ट के फैसले को रद्द कर दिया.

हाईकोर्ट ने इस टिप्पणी के साथ सुनाया फैसला

हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि 'ऐसा प्रतीत होता है कि प्रतिवादी (पति) ने याचिकाकर्ता (पत्नी) की पीठ पीछे उसकी जानकारी के बिना उसकी बातचीत रिकॉर्ड की है, जो उसके निजता के अधिकार का उल्लंघन है और संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रदत्त याचिकाकर्ता के अधिकार का भी उल्लंघन है. तदनुसार, विद्वान परिवार न्यायालय द्वारा पारित आदेश को रद्द कर दिया गया है.'

छत्तीसगढ़ में बीपीएल परिवारों का 5 की जगह 10 लाख तक का इलाज

> रायपुर. कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार सिर्फ किसान हितैषी होने का दावा करती है, लेकिन वो पूंजीपतियों के लिए काम करती हैं. स्थानीय स्टेट स्कूल मैदान में रविवार को आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा, केंद्र में भाजपा की सरकार है, पीएम नरेन्द्र मोदी बताएं कि उन्होंने कितने राज्यों में किसानों का कर्ज माफ किया है.

मोदी सरकार ने उद्योगपतियों का 14 लाख करोड़ माफ कर दिया. राहुल ने इस मौके पर दो नई घोषणाएं करते हुए कहा कि कांग्रेस की फिर से सरकार बनने पर राज्य सरकार द्वारा स्वास्थ्य बीमा योजना को 5 की जगह 10 लाख रुपए किया जाएगा और भूमिहीन-कृषिहीन मजदूरों को 7 से बढ़ाकर 10 हजार प्रतिवर्ष दिया जाएगा. राहुल ने किसान बिल पर बोलते हुए कहा, यह बिल उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए मोदी सरकार लाई थी, लेकिन किसान अब समझदार हो गए हैं.

गरीबों को आगे नहीं बढ़ने देना चाहती भाजपा

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार गरीब के बच्चों को पढ़ने नहीं देना चाहती. इसीलिए उन्हें अंग्रेजी और छत्तीसगढ़ी की जरूरत नहीं, कहते हुए सिर्फ हिंदी की पढ़ाई कराते हैं, ताकि गरीब के बच्चे पीछे रहे और अरबपतियों के बच्चे आगे बढ़ जाएं. उन्होंने यह भी कहा कि देश में जातिगत जनगणना जरूरी है, ताकि देश के विकास का ब्लूप्रिंट तैयार करने वाले सचिवों के चुनाव में भी जाति संख्या के आधार पर भागीदारी मिल सके. उन्होंने कहा कि दिल्ली में यदि कांग्रेस की सरकार आती है, तो अनिवार्य रूप से जाति के आधार पर जनगणना कराएंगे.

सभा में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, विधानसभा अध्यक्ष चरणदास महंत सहित सभी विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी मौजूद रहे.

पूरे भारत में दोहराएंगे छत्तीसगढ़ का मॉडल

राहुल गांधी ने खेत में धान काटने के बाद सोशल मीडिया में छत्तीसगढ़ का मॉडल पूरे भारत में दोहराने की बात लिखी है. उन्होंने किसान खुशहाल तो भारत खुशहाल का नारा देते हुए लिखा है, छत्तीसगढ़ के किसानों के लिए कांग्रेस सरकार के 5 सबसे बेहतरीन काम, जिन्होंने उन्हें भारत में सबसे खुशहाल बनाया.

प्रियंका चोपड़ा की Bollywood से Hollywood मूवी में मुख्य भूमिका पाने तक की कहानी, करियर को लेकर किया खुलासा!

प्रियंका चोपड़ा (Priyanka Chopra) ने अपने एक्टिंग के दम पर इंटरनेशनल लेवल पर अपनी पहचान बनाई है. इन दिनों एक्ट्रेस MAMI फिल्म फेस्टिवल के लिए भारत आई हुई हैं. 27 अक्टूबर से शुरू हुए इस फिल्म फेस्टिवल में बेहतरीन फिल्में दिखाई जा रही हैं.

ऐसे में 29 अक्टूबर 2023 को प्रियंका एक मास्टरक्लास का हिस्सा बनीं. इस दौरान फिल्म के नाम का खुलासा किए बिना, प्रियंका चोपड़ा ने याद किया कि कैसे उन्हें एक बार एक स्क्रिप्ट पसंद आई थी और उन्होंने अपने एजेंटों को फिल्म निर्माताओं को फोन करने और श्खुद को ऑडिशन के लिए पेश करनेश के लिए कहा था.

प्रियंका चोपड़ा ने अपने करियर को लेकर कही ये बात

दरअसल, Jio MAMI फिल्म फेस्टिवल में एक मास्टरक्लास के दौरान, प्रियंका ने अपने करियर के बारे में बात की और कहा कि फिल्म चुनने की उनकी प्रक्रिया संदर्भ के अनुसार बदलती रहती है. इंटरव्यू के दौरान प्रियंका ने कहा कि, "कई बार उन्हें फिल्में मिलीं, लेकिन कई बार ऐसा भी हुआ जब उन्हें उनके लिए लड़ना और ऑडिशन देना पड़ा. फिल्म का नाम बताए बिना."

प्रियंका को इस तरह मिली थीं फिल्म

इस दौरान प्रियंका ने याद किया कि कैसे उन्हें एक बार एक स्क्रिप्ट पसंद आई थी और वह वास्तव में उस फिल्म का हिस्सा बनना चाहती थीं. अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने अपने एजेंटों से फिल्म निर्माताओं को फोन करवाया. इसके साथ उन्होंने कहा कि, "खुद को फिल्म के लिए ऑडिशन देने की पेशकश की. फिल्म के लिए मुझे तीन ऑडिशन देने पड़े, जिसकी शुरुआत फिल्म निर्माताओं से मुलाकात से हुई. दूसरी बार वह मेरे घर आए और वाचन किया और फिर तीसरी बार हम स्टूडियो गए और मुझे वह हिस्सा मिल गया."

हाई बीपी के मरीजों को खानी चाहिए लौकी

लौकी का नाम सुनते ही बहुत से लोग अपना मुंह बनाने लगते हैं और वे हमेशा इसे खाने से बचते हैं. लेकिन, इस सब्जी में कई ऐसे गुण हैं जो कि कई बीमारियों से बचाव में हमें मदद कर सकते हैं. जैसे कि हाई बीपी के मरीजों को इसका सेवन जरूर करना चाहिए. ऐसा इसलिए कि हाई बीपी एक ऐसी दिक्कत है जो कि दूसरी दिक्कतों को बुलावा दे सकता है. जैसे कि हार्ट अटैक और फिर स्ट्रोक. ऐसे में लौकी का सेवन उन कारणों में कमी लाता है जिससे आपको हाई बीपी की समस्या होती है या दूसरी बीमारियां बढ़ने लगती हैं. तो, जानते हैं इसमें ऐसा क्या है कि हाई बीपी के मरीज लौकी खा सकते हैं.

हाई बीपी के मरीजों के लिए क्यों फायदेमंद है लौकी

फाइबर से भरपूर लौकी कोलेस्ट्रोल कम करता है

लौकी में फाइबर की अच्छी मात्रा होती है. इसका मतलब ये है कि पहले तो ये फैट मेटाबोलिज्म को तेज करेगा और दूसरा इसे शरीर में जमा होने से रोकेगा. तीसरा, लौकी अपने फाइबर के साथ शरीर में जमा बैड फैट कणों यानी जो बैड कोलेस्ट्रोल का कारण इसे साफ करने में मदद करता है. इसके अलावा लो कैलोरी वाला है जो कि वजन बढ़ाने और बीपी को बढ़ने से रोकता है.

पोटेशियम से भरपूर है लौकी

लौकी में पोटेशियम की अच्छी मात्रा होती है जो कि आपके ब्लड वेसेल्स को खोलने का काम करता है और खून की रफ्तार को सही रखने में मदद करता है. इससे दिल पर जोर नहीं पड़ता और हाई बीपी की समस्या कंट्रोल में रहती है. इसके साथ ही ये स्ट्रोक और ब्रेन में लीकेज जैसी समस्याओं के खतरे को कम करता है.

पानी से भरपूर है लौकी

लौकी पानी से भरपूर है और आपकी नसों को हेल्दी रखने में मदद करता है. पर खास बात ये है कि इसका पानी खून से मिलकर इसके सर्कुलेशन को बेहतर बनाता है और दिल पर प्रेशर पड़ने से रोकता है. इसके अलावा शरीर में पर्याप्त मात्रा में पानी रहने से हाई सोडियम की भी समस्या कंट्रोल में रहती है और आप हाई बीपी की बीमारी से बचे रह सकते हैं. तो, लौकी खाएं और हाई बीपी की बीमारी से बचे रहें.

शरीर से शुगर को पानी की तरह सोख सकता है ये ड्राई फ्रूट

"डायबिटीज एक ऐसी बीमारी है जिसे लगातार कंट्रोल करना बेहद जरूरी है. इसके लिए डाइट और लाइफस्टाइल का सही होना पहली कोशिश होनी चाहिए. अब अगर डाइट की बात करें तो, अगर आपको शुगर कंट्रोल करना है दो बातों का ध्यान रखना चाहिए. पहला आप जो भी खाएं वो लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाला हो और दूसरा हाई फाइबर और रफेज से भरपूर है. ऐसा इसलिए कि फाइबर शुगर को सोखने का काम कर सकता है और मेटाबोलिक रेट बढ़ाकर इसे पचाने में मदद कर सकता है. तो, लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाले फूड आपके पेंनक्रियाज के काम काज को बेहतर बना सकते हैं और इंसुलिन के प्रोडक्शन को बढ़ा सकते हैं. तो, इन दोनों ही कामों को करने में कारगर है मखाना."

डायबिटीज में मखाना खा सकते है

मखाना लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाला है इसलिए यह धीरे-धीरे आपके शरीर में एनर्जी बैलेंस करेगा और फिर ये शुगर स्पाइक को रोकने में मदद करता है. इसके अलावा इसका फाइबर शुगर मेटाबोलिज्म को तेज करता है और शरीर में अतिरिक्त शुगर जमा होने और इन्हें खून में मिलने से रोकता है. फिर ये बॉवेल मूवमेंट को ठीक करता है और डायबिटीज में मल त्याग को बेहतर बनाकर कब्ज की समस्या से बचाता है. इतना ही नहीं, मखाने में मैग्नीशियम प्रचुर मात्रा में है, इसलिए यह शरीर में ऑक्सीजन और ब्लड प्रेशर में काफी सुधार करता है. इससे डायबिटीज में दिल की बीमारी का खतरा कम होता है.

डायबिटीज में मखाना कब खाएं

डायबिटीज में मखाना आप कई प्रकार से खा सकते हैं. लेकिन, सबसे हेल्दी तरीका है कि आप इसे नाश्ते के दौरान दूध में भिगोकर रख दें और फिर आधे घंटे बाद खा लें. इसके अलावा आप इसे स्नैक्स के रूप में या फिर इसकी खिचड़ी बनाकर भी खा सकते हैं.

डायबिटीज में मखाना कितना खाएं

डायबिटीज के मरीजों को हर दिन बस 2 से 3 मुट्ठी यानी कि लगभग 30 ग्राम मखाना ही खाना चाहिए. ऐसा करना शुगर स्पाइक को रोकने और फिर डायबिटीज को मैनेज करने में मदद कर सकता है. इस प्रकार से इसका सेवन डायबिटीज में शुगर कंट्रोल करने में मदद कर सकता है. तो, अगर आपको डायबिटीज है तो अपनी डाइट में इस ड्राई फ्रूट को जरूर शामिल करें.

(ये लेख सामान्य जानकारी के लिए है, किसी भी उपाय को अपनाने से पहले डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें)

2 बेगमों की लड़ाई में फंसा बांग्लादेश

> बांग्लादेश का इतिहास हमेशा से रक्तरंजित रहा है. राजनीतिक विरोध प्रदर्शन के दौरान खून-खराबा होना आम बात है. जनवरी में राष्ट्रीय चुनाव होनेवाले हैं जिसे लेकर सत्ता पक्ष और विपक्षी पार्टी की लड़ाई हिंसक हो उठी है. मुख्य विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की मांग है कि शेख हसीना प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दें और कार्यवाहक सरकार की देखरेख में चुनाव कराया जाए.

स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए पीएम का इस्तीफा और गैरदलीय अंतरिम सरकार का गठन जरूरी है. शेख हसीना और उनकी सत्तारूढ़ पार्टी अवामी लीग ने इस तरह की मांग को ठुकरा दिया है. बांग्लादेश में तनाव चरम पर है. शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के नेतृत्ववाली विपक्षी पार्टी बीएनपी ने प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर राजधानी ढाका में विशाल रैली निकाली. पुलिस के अनुसार बीएनपी कार्यकर्ताओं ने किसी धारदार वस्तु से वार कर एक पुलिस कांस्टेबल की हत्या कर दी जबकि झड़प में 41 अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गए. प्रदर्शनकारियों ने पुलिस अस्पताल की एम्बुलेंस और वाहनों तथा एक पुलिस चौकी में आग लगा दी. कई सरकारी इमारतों पर हमले की कोशिश भी की गई. पुलिस को हिंसा पर काबू पाने के लिए आंसू गैस के गोले, साउंड ग्रेनेड के अलावा रबर बुलेट दागनी पड़ीं. बांग्लादेश में 2 बेगमों की लड़ाई काफी पुरानी है. बंगबंधु कहलानेवाले बांग्लादेश के प्रथम प्रधानमंत्री शेख मुजीबुर्रहमान की बेटी शेख हसीना लंबे समय से सत्तारूढ़ हैं और अवामी लीग सरकार का नेतृत्व कर रही हैं. बीएनपी की नेता पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के पति उन लोगों में शामिल थे जिन्होंने शेख मुजीब की हत्या की साजिश रची थी. बांग्लादेश में कुछ वर्षों तक राष्ट्रपति ईशाद की हुकूमत रही लेकिन फिर उन्हें भ्रष्टाचार के आरोप में पद खोना पड़ा था. जनवरी का चुनाव आते तक बांग्लादेश में और भी हिंसा भड़क सकती है. खालिदा जिया सत्ता में आने के लिए बेताब हैं और बड़ी रैलियों से अपना प्रभाव जताने में लगी हैं.

तीसरे विश्व युद्ध की ओर बढ़ती दुनिया

कांतिलाल मांडोत, टिप्पणीकार. लगता है, इजरायल और हमास के आतंकियों के बीच छिड़ी जंग वैश्विक विनाश की राह पर जाकर ही खत्म होगी. यह युद्ध अब ऐसे मोड़ पर पहुंच चुका है, जहां विश्व की बड़ी ताकतें या तो इजरायल के पक्ष में खड़ी दिख रही हैं या फलस्तीन के पक्ष में, यानी इजरायल और हमास के मसले पर दुनिया दो हिस्सों में बंट गई है, जहां सब खुद को सही और दूसरे को गलत ठहरा रहे हैं. यह स्थिति तब है, जब जंग किसी भी देश के लिए ठीक नहीं मानी जाती. इसमें निर्दोष लोग मारे जाते हैं. हमास-इजरायल जंग में ही अब तक जान-माल का जितना नुकसान हुआ है, वह किसी से छिपा है क्या?

मौजूदा जंग की शुरुआत 7 अक्तूबर से हुई, जब हमास के आतंकियों ने इजरायल में घुसकर मार-काट मचाई. उस हमले में करीब 1,500 इजरायलियों की जान गई थी. इसने इजरायल को भड़का दिया और उसने गाजा पट्टी पर हमला बोल दिया. पश्चिम के देश उसके साथ खड़े हैं, इसलिए वह लगातार बमबारी किए जा रहा है. इसके जवाब में हमास आतंकी भी उन्नीस साबित नहीं हुए हैं. जिस तरह से वे अपना बचाव कर रहे हैं, उससे यही जान पड़ता है कि परदे के पीछे से उनको भी पूरी मदद मिल रही है. युद्ध का यह नया मोर्चा तब खुला है, जब रूस और यूक्रेन डेढ़ वर्ष से भी अधिक समय से जंग में उलझे हुए हैं.

आधुनिक युग में युद्ध समस्याओं का समाधान कदापि नहीं हो सकता. मिसाइल से निकलने वाली आग की लपटें दोनों तरफ विनाश करती हैं. इजरायल के सिर पर अमेरिका का हाथ है, तो यूक्रेन को भी नाटो की मदद मिल रही है. इन युद्धों में लोग अपनी जान गंवा रहे हैं, लेकिन शांति व संयम दूर-दूर तक नहीं दिख रहे. ऐसे में, यह कयास गलत नहीं कि दुनिया फिर से विश्व युद्ध की ओर बढ़ रही है. इस युद्ध में एक तरफ अमेरिका और उसके मित्र देश होंगे, तो दूसरी तरफ शेष दुनिया के राष्ट्र. भारत जैसे गुटनिरपेक्ष के हिमायती देशों के सामने भारी धर्मसंकट खड़ा हो सकता है. हमारे जैसे देश दुनिया में शांति चाहते हैं और युद्ध से हरसंभव दूरी बनाने के हिमायती हैं. मगर जब विश्व के कई देश जंग में उलझेंगे, तब हमारे लिए निरपेक्ष रह पाना मुश्किल हो जाएगा.

साफ है, आने वाले दिन काफी कठिन होंगे. तमाम देशों को सोचना चाहिए कि ऐसे युद्ध से भला उन्हें क्या हासिल हो रहा है. अच्छा यही होगा कि वे केवल अमन की बात करें और हर तरह के संघर्ष को खत्म करें. इससे विश्व शांति की राह साकार हो सकेगी, जो सभी देशों, नागरिकों के हित में है.

दावा: आयुर्वेद से 14 दिनों में मधुमेह पर काबू

नई दिल्ली. मधुमेह से आज पूरी दुनिया त्रस्त है लेकिन आयुर्वेद की पारंपरिक औषधियों, संतुलित आहार और जीवन शैली में बदलाव करके महज 14 दिनों के भीतर बीमारी पर नियंत्रण किया जा सकता है. देश में एक अध्ययन में इस बात की पुष्टि हुई है. इंटरनेशनल आयुर्वेदिक मेडिकल जर्नल में यह शोध प्रकाशित हुआ है.

अध्ययन पटना के सरकारी आयुर्वेदिक कॉलेज में किया गया. सहायक प्रोफेसर प्रभाष चंद्र पाठक के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने मधुमेह के उच्च स्तर से ग्रस्त मरीज का 14 दिनों तक अपनी निगरानी में उपचार किया. मधुमेह की अत्याधुनिक और पारंपरिक आयुर्वेदिक दवाएं दी गईं. साथ ही खान-पान और जीवनशैली में बदलाव भी शुरू किए गए.

दवाओं का सही असर मरीज को जो दवाएं दी गईं, उनमें बीजीआर-34, मधुनासनीवटी यानी गुड़मार, आरोग्यवर्धनी वटी, चंद्रप्रभावटी, लिपिस्टेट टेबलेट (कोलस्ट्रोल कम करने की दवा), त्रिवंग भस्म, रास सिंदूर तथा गिलोय सत दिन में दो बार दिया गया. 14 दिनों बाद इस उपचार में थोड़ा बदलाव किया गया. इस बीच मरीज में सकारात्मक असर दिखे. शोध पत्र में कहा गया कि ये नतीजे महत्वपूर्ण हैं लेकिन यह एक केस स्टडी है. इन नतीजों पर और व्यापक अध्ययन की जरूरत है.

खानपान में बदलाव के साथ सैर भी कराई

उपचार के दौरान मरीज के खानपान में जरूरी बदलाव किए गए और उसे रोज एक घंटे की सैर भी कराई गई. शोध के नतीजों में कहा गया कि उपचार शुरू होने से पूर्व मरीज का फास्टिंग शुगर लेवल 254 एमजी/डीएल से घटकर 124 एमजी/डीएल रह गया. भोजन के बाद शुगर का स्तर 413 से घटकर 154 एमजी/डीएल रह गया. मधुमेह की जांच से जुड़े एक अन्य परीक्षण एचबीए 1 सी का स्तर 8.4 से घटकर 6.1 पर आ गया.

बुरे सपनों से छुटकारा दिलाएगी फिटकरी

> वास्तु शास्त्र में ऐसे कई उपाय बताए गए हैं जिनके द्वारा व्यक्ति कई प्रकार के दोषों से छुटकारा पा सकता है. वास्तुशास्त्र असल में हमारे जीवन को आसान बनाने की एक प्रणाली है. वास्तुशास्त्र के अंतर्गत घर में ही प्रयोग होने वाली कई ऐसी चीजों के उपाय बताए गए हैं, जिन्हें करने से नकारात्मकता के साथ-साथ घर की कई समस्याएं दूर होती हैं. इन्हीं में से एक है फिटकरी, जिसके उपाय करने से व्यक्ति को कई तरह के लाभ मिलते हैं.

अगर आपके घर में नकारात्मकता व्याप्त हो गई है, तो इसके लिए घर के किसी कोने में फिटकरी रख दें. ऐसा करने से देखते ही देखते आपको नकारात्मकता से छुटकारा मिलता है. साथ ही अगर आपके घर का वास्तु ठीक नहीं है तो इसके लिए आप फिटकरी को एक लाल कपड़े में बांधकर अपने रसोईघर में रख दें. ऐसा करने से वास्तुदोष दूर होता है, साथ ही जीवन की कई परेशानियों से भी छुटकारा मिलता है.

नहीं होगी पति-पत्नी में अनबन

यदि बिना किसी वजह पति-पत्नी के रिश्ते में दरार आ गई है या अनबन होती रहती है, तो इसके लिए आप फिटकरी का यह उपाय कर सकते हैं. अपने बेडरूम की खिड़की के पास एक कटोरी में फिटकरी रख दें. ऐसा करने से पति-पत्नी के संबंध मधुर होते हैं.

दूर होगी पैसों की तंगी

अगर किसी को धन की हानि झेलनी पड़ रही है, तो उसे अपने पर्स में फिटकरी का एक छोटा सा टुकड़ा रखना चाहिए. ऐसा करने से कम पैसा खर्च होता है और घर में बरकत बनी रहती है.

स्वास्थ्य में मिलेगा लाभ

अगर किसी व्यक्ति के तबीयत बिगड़ती रहती है तो इसके लिए बीमार व्यक्ति के सिर पर 7 बार उल्टी दिशा में फिटकरी को घुमाकर बाहर फेंक दें. ऐसा करने से तबीयत में सुधार देखने को मिलता है. इसके साथ ही तकिया के नीचे फिटकरी का टुकड़ा रखकर सोने से बुरे सपने नहीं आते.

भाजपा जीती, तो छग में कौन होगा सीएम का चेहरा ?

रायपुर : छत्तीसगढ़ में चुनाव जीतने के बाद भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री का चेहरा कौन होगा इसके लेकर कयास लगाया जा रहा है. जानकारों की माने तो भाजपा मुख्यमंत्री चेहरे के बिना विधानसभा चुनाव लड़ रही है. कांग्रेस के पास मुख्यमंत्री का चेहरा है. लेकिन भाजपा मोदी और पार्टी के विजन पर यह चुनाव लड़ रही है.

इससे यह सवाल उठने लगा है कि यदि भाजपा को राज्य में सत्ता मिल जाती है तो उस हालत में वह किसे मुख्यमंत्री बनाएगी? लगातार तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके और पूरे राज्य से परिचित रमन सिंह एक बार फिर से भाजपा की पसंद होंगे या भाजपा किसी आदिवासी पर अपना दांव लगाएगी. वह किसी सांसद को मौका देगी या नोकरशाही को छोड़कर राजनीति में आए एक नौकरशाह को.

बघेल हैं केंद्रीय नेतृत्व की पसंद

जानकारी के अनुसार विजय बघेल की उम्मीदवारी मजबूत है. वे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की ही जाति ओबीसी की कुर्मी समाज से आते हैं. वह सासंद हैं और मुख्यमंत्री के खिलाफ पाटन से ताल ठोंक रहे हैं. उनकी साफ-सुथरी छिव है.

रमन को नहीं कर सकते खारिज

तीन बार के मुख्यमंत्री रहे रमन सिंह को भले ही पार्टी ने मुख्यमंत्री के तौर पर प्रोजेक्ट नहीं किया लेकिन उनकी उम्मीदवारी को सिरे से खारिज नहीं किया जा सकता. हाईकमान ने टिकट देने में रमन सिंह की सुनी.

अध्यक्ष पर दांव लगा सकती है भाजपा

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव मुख्यमंत्री पद के लिए भी दावेदार बन सकते हैं. साव ओबीसी समाज से आते हैं और सीधे सरल स्वाभाव के हैं. पार्टी के अंदर की गुटबाजी में विश्वास नहीं करते.

नए चेहरे पर भी दांव संभव

ओबीसी समाज से आने वाले ओ. पी. चौधरी युवाओं में लोकप्रिय हैं. सोशल मीडिया में बहुत बड़ी फैन फालोइंग है. वे ब्यूरोक्रेट हैं. 2018 के चुनावों के पहले नौकरी से इस्तीफा देकर वे भाजपा में शामिल हुए थे.

आदिवासी को भी मिल सकता है मौका

छत्तीसगढ़ में भाजपा किसी आदिवासी नेता पर भी दांव लगा सकती है. रामिवचार नेताम का नाम ऐसी हालत में सबसे ऊपर आ सकता है. साथ ही पार्टी नए आदिवासी चेहरे पर भी दांव लगा सकती है.

कांग्रेस ने पहली बार 6 स्थानों से जारी किया भरोसे का घोषणा पत्र, 3200 में धान, 6000 में तेंदूपत्ता की खरीदी, गैस सिलेंडर पर 500 सब्सिडी

रायपुर. कांग्रेस ने 20 बिंदुओं का घोषणा पत्र जारी कर दिया है. राजधानी में कांग्रेस प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा, राजनांदगांव में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, अंबिकापुर में डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव, बिलासपुर में चरणदास महंत और कवर्धा मोहम्मद अकबर ने एक साथ घोषणा पत्र जारी किया. कांग्रेस ने इसे भरोसे का घोषणा पत्र नाम दिया है. इसमें किसान, महिला, युवा, गरीब और आदिवासियों पर ज्यादा फोकस किया गया है.

कांग्रेस ने 3200 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से धान और 6000 रुपए प्रति मानक बोरा के हिसाब से तेंदूपत्ता खरीदी करने का वादा किया है. तेंदूपत्ता संग्राहकों को 4000 रुपए हर साल बोनस भी दिया जाएगा. महिलाओं के लिए गैस सिलेंडर पर 500 सब्सिडी देने का वादा भी शामिल है.

यह हैं कांग्रेस के महत्वपूर्ण वादे 3200 में धान

अंत्येष्टि के लिए भी करेगी मदद : कांग्रेस ने अंत्येष्टि के दौरान जनता की मदद करने का वादा किया है. दोबारा कांग्रेस की सरकार बनाने पर शहरी निकाय क्षेत्रों में अंत्येष्टि के लिए लकड़ी का प्रबंध सरकार की ओर से किया जाएगा.

85 ब्लॉक की ग्राम सभाओं को शराबबंदी का अधिकारः सीएम

मुख्यमंत्री ने राजनांदगांव में घोषणा पत्र जारी करते हुए शराबबंदी को लेकर मौजूदा स्थिति भी स्पष्ट की है. उन्होंने कहा, शराबबंदी को लेकर पिछली बार जो कहा, उस पर कायम हैं. इस दिशा में हमने एक कदम आगे बढ़ाया है. हमारे 146 ब्लॉक है, इसमें 85 ब्लॉक अनुसूचित जाति क्षेत्र में आते हैं. यहां पेसा कानून लागू है. इसमें ग्राम सभाओं को शराबबंदी का अधिकार दिया गया है. वे जो फैसला करेंगे, वह लागू होगा.

- वर्ष 2018 की तरह किसानों का कर्ज माफ होगा.
- 20 क्विंटल प्रति एकड़ के हिसाब से धान की खरीदी.
- स्कूल, उच्च शिक्षा, मेडिकल और तकनीकी शिक्षा में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को शिक्षा एवं प्रवेश शुल्क नहीं देना होगा.
- भूमिहीन मजदूरों को 7 हजार की जगह अब 10 हजार हर साल मिलेंगे.
- सभी वर्गों के लिए 200 यूनिट बिजली फ्री मिलेगी.
- 17.5 लाख गरीब परिवारों को आवास मिलेगा.
- लघु वनोपजों के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर प्रति किलो 10 रुपए अतिरिक्त राशि मिलेगी.
- गरीबों को 5 लाख की जगह 10 लाख और एपीएल को 50 हजार की जगह 5 लाख तक का मुफ्त इलाज.
- छत्तीसगढ़ के निवासियों को सड़क दुर्घटना व अन्य आकस्मिक दुर्घटना में निःशुल्क इलाज.
- तिवरा की भी समर्थन मूल्य पर होगी खरीदी.
- 66000 से अधिक वाहन मालिकों का बकाया 726 करोड़ माफ होगा.
- 700 नए ग्रामीण औद्योगिक पार्कों की स्थापना होगी.
- 6000 शासकीय स्कूल क्रमशरू स्वामी आत्मानंद इंग्लिश व हिंदी मीडियम स्कूलों में अपग्रेड होंगे.
- महिला स्व-सहायता समूहों का कर्ज माफ होगा.
- सामाजिक न्याय दिलाने के लिए जातिगत जनगणना होगी.
- युवाओं को व्यवसाय के लिए 50% सब्सिडी के साथ कर्ज मिलेगा.

छत्तीसगढ़: यहां के ग्रामीण एक साथ चुनते हैं दो विधायक, छत्तीसगढ़ के इस गांव की बड़ी ही दिलचस्प है कहानी

> राजनांदगांव: छत्तीसगढ़ का अंजोरा गांव राज्य का एक ऐसा गांव है जहां दो निर्वाचन क्षेत्र के उम्मीदवार अपने लिए वोट मांगने पहुंच रहे हैं. इस गांव के मतदाता पहले चरण में होने वाले राजनांदगांव सीट और दूसरे चरण में दुर्ग ग्रामीण सीट के लिए मतदान करेंगे. राज्य में 90 विधानसभा सीट के लिए दो चरणों में सात और 17 नवंबर को मतदान होगा. पहले चरण में 20 तथा दूसरे चरण में 70 सीटों पर मतदान होगा.

पशु चिकित्सा महाविद्यालय के लिए प्रसिद्ध अंजोरा गांव दुर्ग और राजनांदगांव जिलों की सरहद के बीच है. यह राज्य का एक ऐसा गांव है जहां के मतदाता दो अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों के लिए मतदान करेंगे. इस गांव का आधा हिस्सा राजनांदगांव विधानसभा सीट के अंतर्गत है जहां पहले चरण में सात नवंबर को मतदान होगा तथा आधा हिस्सा दुर्ग ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आता है जहां दूसरे चरण में 17 नवंबर को मतदान होगा.

अंजोरा गांव को एक मुख्य सड़क ने दो हिस्सों में बांट दिया है. सड़क के एक ओर दुर्ग ग्रामीण क्षेत्र के निवासी रहते हैं और दूसरी ओर राजनांदगांव क्षेत्र के निवासी. यह गांव दो ग्राम पंचायतों अंजोरा ग्राम पंचायत (राजनांदगांव) और अंजोरा श्खश् ग्राम पंचायत (दुर्ग) के अंतर्गत भी आता है.

अंजोरा गांव दुर्ग शहर से लगभग 10 किलोमीटर दूर और राजनांदगांव शहर के बीच मुंबई-हावड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग-53 पर स्थित है. गांव की आबादी लगभग पांच हजार है.

अंजोरा पंचायत (राजनांदगांव) की सरपंच अंजू साहू कहती हैं कि चुनाव के दौरान अक्सर गांव के लोग भ्रमित हो जाते हैं क्योंकि दोनों निर्वाचन क्षेत्रों के उम्मीदवार प्रचार के लिए गांव आते हैं.

अंजू साहू कहती हैं कि पूरे गांव में उम्मीदवारों के पोस्टर और बैनर देखे जा सकते हैं, चाहे वे (दोनों में से) किसी भी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हों. इसलिए यह कहा जाता है कि इस एक गांव से दो विधायक (दो निर्वाचन क्षेत्रों के लिए) चुने जाते हैं.

कांग्रेस नेता अंजू साहू कहती हैं कि यह जरूर है कि एक सड़क ने गांव को विभाजित कर दिया है और चुनाव के दौरान लोग अलग-अलग विधानसभा क्षेत्र के लिए वोट देते हैं लेकिन यहां के लोग शांतिपूर्वक रहते हैं और त्योहारों तथा अन्य समारोहों को एक साथ मनाते हैं. अंजू साहू ने कहा कि उनका पैतृक घर अंजोरा 'ख' क्षेत्र में है जो दुर्ग ग्रामीण सीट के लिए वोट करता है, जबकि उनका ससुराल राजनांदगांव निर्वाचन क्षेत्र के लिए वोट करता है.

अंजोरा 'ख' पंचायत की सरपंच संगीता साहू के पति माखनलाल साहू ने बताया कि राजनांदगांव जिले का गठन 1973 में दुर्ग जिले (तत्कालीन मध्य प्रदेश) से अलग कर किया गया था. तब से गांव दो पंचायतों में विभाजित हो गया.

उन्होंने कहा कि विधानसभा सीटों के लिए परिसीमन भी इस तरह से किया गया था कि गांव का आधा हिस्सा एक निर्वाचन क्षेत्र में तथा आधा हिस्सा अन्य क्षेत्र में पड़े. अंजू साहू ने बताया कि गांव में ऐसे भी परिवार हैं, जिनके आधे सदस्यों को राजनांदगांव विधानसभा क्षेत्र के लिए और आधे सदस्यों को दुर्ग ग्रामीण के लिए मतदान करना होता है.

राजनांदगांव और दुर्ग ग्रामीण राज्य के प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों में से हैं. राजनांदगांव सीट से पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह और दुर्ग ग्रामीण सीट से राज्य के गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू चुनाव मैदान में हैं. भाजपा ने रमन सिंह को उनकी मौजूदा राजनांदगांव सीट से मैदान में उतारा है, जहां छत्तीसगढ़ राज्य खनिज विकास निगम के मौजूदा अध्यक्ष गिरीश देवांगन कांग्रेस के उम्मीदवार हैं.

दुर्ग ग्रामीण सीट पर कांग्रेस ने अपने अहम ओबीसी नेता एवं मंत्री ताम्रध्वज साहू को मैदान में उतारा है जिनका मुकाबला भाजपा के नए चेहरे ललित चंद्राकर से है.

हॉट सीट बनी पाटन विधानसभा, चाचा-भतीजे के बीच उतरे अमित जोगी ने भरा नामांकन

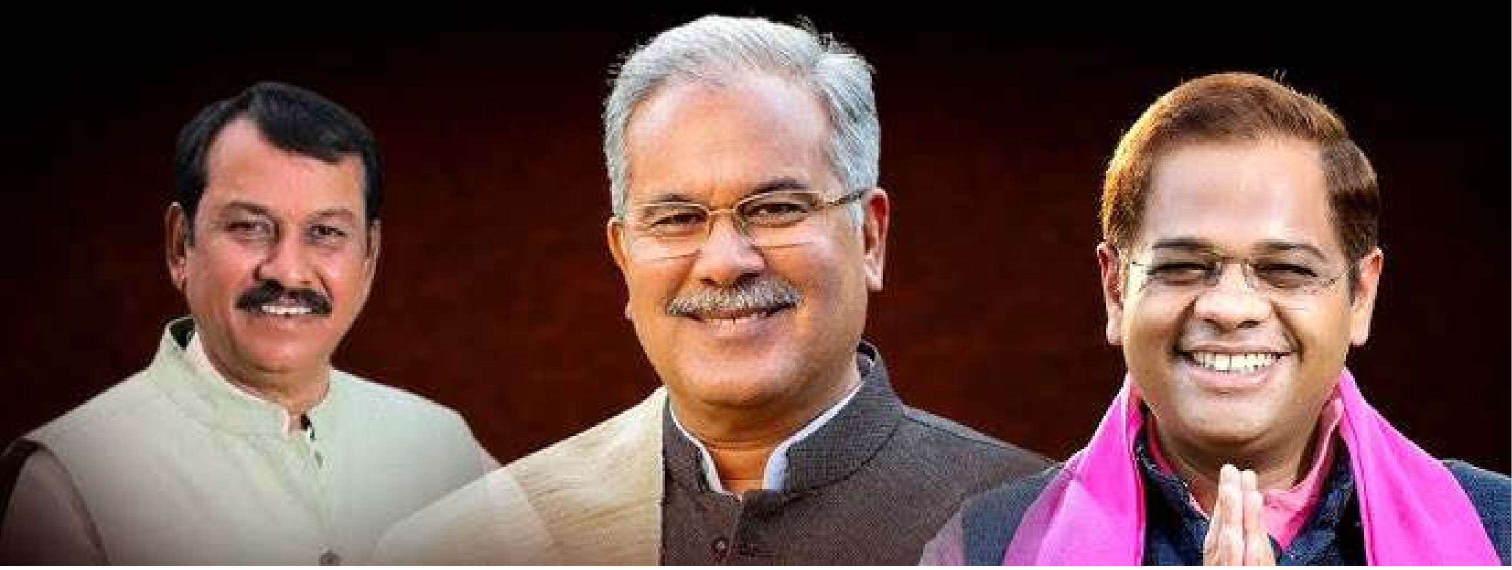

❛ पाटनः छत्तीसगढ़ में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन भरने का आखिरी दिन एक दम गर्मी से भरा रहा. राजनीतिक पार्टियों के दिग्गज नेताओं ने नामांकन दाखिल किया. इन सभी सीटों में पाटन विधानसभा सीट काफी चर्चा रही. यहां से चाचा भूपेश बघेल तो भतीजे विजय बघेल के प्रत्याशी बनने से राजनीति का बाजार गर्म था. अब जनता कांग्रेस के अमित जोगी ने नामांकन दाखिल कर तड़का लगा दिया है.❜

दरअसल, यहां से कांग्रेस के विजेता सीनियर नेता और सीएम भूपेश बघेल ने पाटन से विधायकी के लिए नामांकन दाखिल किया. वहीं, बीजेपी ने उनके भतीजे विजय बघेल को अपना प्रत्याशी बनाया है. अब इन चाचा भतीजे की लड़ाई में जनता कांग्रेस के अमित जोगी भी शामिल हो गए है. इन तीनों की तिकड़ी से यहां का मुकाबला रोचक हो गया है.

बीजेपी से विजय बघेल पहले ही दाखिल कर चुके है दावा

कांग्रेस के सीएम भूपेश बघेल को टक्कर देने के लिए बीजेपी ने भूपेश बघेल के भतीजे विजय बघले को अपना प्रत्याशी बनाया है. बघेल ने नामांकन 23 अक्टूबर के दिन दाखिल कर दिया था. अपना नामांकन दाखिल करने के बाद विजय बघेल ने कहा था कि झूठ की सरकार जाने का समय आ गया है.

सीएम भूपेश बघेल ने नामांकन किया दाखिल

छत्तीसगढ़ के मुखिया और कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल ने 7 नवंबर के दिन होने वाले मतदान के लिए प्रत्याशी के दौर पर अपना नामांकन दाखिल किया. वे नामांकन भरने के लिए दुर्ग के रिटर्निंग अधिकारी के पास पहुंचे थे. उनके नामांकन दाखिल करने के समय विधानसभा अध्यक्ष चरण दास महंत, गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू, सुरेश धींगनी मौजूद रहे.

दिग्गज की एंट्री से रोचक हुआ मुकाबला

पाटन सीट चाचा भतीजे के नाम की घोषणा के बाद से ही इसे हॉट सीट माना जा रहा था. इसके बीच ही जनता कांग्रेस के दिग्गज नेता अमित जोगी के रण में उतरने की खबर सामने आ गई है. जनता कांग्रेस के नेता अमित जोगी ने नामांकन दाखिल कर इस सीट के मुकाबले को त्रिकोणीय एंगल दे दिया है. इससे पहले खबर आ रही थी कि वे चुनाव नहीं लड़ रहे हैं. लेकिन पाटन से नामांकन भरते ही राजनीतिक गलियारों का बाजार गरमा गया है. अब यह देखना रोचक होगा की यहां से कौन बाजी मारता है. यहां की हॉट सीट पर किसका कब्जा होता है यह आने वाला समय ही बताएगा.

कौन हैं पंडरिया से बीजेपी कैंडिडेट भावना बोहरा? अकेले नाम के लिए पार्टी ने जारी की तीसरी लिस्ट

छत्तीसगढ़ चुनावः छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव होने है। इसके लिए पार्टियां अपने कैंडिडेट के नामों की घोषणा कर रही है। बीजेपी ने अपनी तीसरी लिस्ट जारी कर भावना बोहरा (ब्राह्मण) को टिकट दिया है। जानिए कौन है भावना बोहरा जिस एक नाम के लिए बीजेपी ने जारी की तीसरी लिस्ट।

जानिए कौन हैं भावना बोहरा जिसे मिला है टिकट

रायपुरः छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 के लिए बीजेपी ने अपनी तीसरी सूची तक जारी कर दी है। बीजेपी की इस तीसरी लिस्ट में एक सिंगल नाम जारी करते हुए प्रत्याशी का ऐलान किया गया है। जिसमें पंडरिया विधानसभा सीट के कैंडिडेट चुना गया है। भाजपा ने आज पंडरिया से भावना बोहरा को प्रत्याशी बनाया है। भावना को प्रत्याशी बनाने के साथ ही पार्टी ने कवर्धा जिला में एक बार फिर से ब्राह्मण प्रत्याशी को उतारते हुए हिंदुत्व कार्ड खेला है।

बीजेपी महिला मोर्चा की है प्रदेश मंत्री

पंडरिया विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी भावना बोहरा के राजनीतिक जीवन के बारे में बात करें तो.. वह सामान्य ब्राह्मण परिवार में जन्मी है। भावना रणवीरपुर के कवर्धा जिला से आती है। भावना के पति का नाम मनीष बोहरा है। शुरू से ही भावना राजनीति में सक्रिय थी। बोहरा ने बीएससी एमएसडब्ल्यू की पढ़ाई की है। शिक्षा एवं समाज सेवा में रुचि रखने वाली भावना वर्तमान में बीजेपी की महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री हैं। इसके साथ ही वह जिला पंचायत कबीरधाम की सभापति भी हैं।

राजनीति के साथ करती है सेवा भी

राजनीति में सक्रिय रहने के साथ ही साथ भावना एक समाजसेवी संस्थान चलती हैं। जिसका नाम है भावना समाजसेवी संस्थान। जिसकी वह संस्थापक है। इसके माध्यम से वह महाविद्यालय छात्रों के लिए कबीरधाम से निरूशुल्क बेसन का संचालन करती हैं इसके साथ कबीरधाम जिले में 24 घंटे निशुल्क एंबुलेंस का संचालन भी किया जाता है। इसके अलावा बोहरा छत्तीसगढ़ शतरंज संघ की प्रदेश उपाध्यक्ष भी हैं।

इस दिवाली पर मां लक्ष्मी को ऐसे करें प्रसन्न

धन सभी कार्यों को संपन्न करने का माध्यम है। इसलिए हर किसी का धन के प्रति आकर्षण स्वाभाविक है। माता लक्ष्मी को धन की देवी कहा गया है। मां लक्ष्मी को प्रसन्न किए बिना धन की प्राप्ति नहीं हो सकती। ध्यान रहे मां लक्ष्मी का आह्वान भगवान विष्णु के साथ करना ही शुभ फलदायी होता है। इस दिवाली पर धन की देवी मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए इन उपायों को किया जा सकता है।

- दीपावली के दिन संध्या काल में प्रदोषकाल, स्थिर लग्नवृष में मां लक्ष्मी के सामने घी का दीपक जलाएं। पंचामृत एवं लड्डू का भोग तथा कमल पुष्प अर्पित कर 'ऊँ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं ऊँ महालक्ष्म्यै नम।' मंत्र का कम-से-कम 108 बार जाप और आरती करें।
- दीपावली के दिन संध्या प्रदोष काल, वृष लग्न या मध्यरात्रि निशीथ काल, सिंह लग्न में पीपल के पेड़ के नीचे घी का दीपक जलाकर पितरों, देवी-देवताओं से आर्थिक लाभ की प्रार्थना करें और लौटते वक्त पीछे मुड़कर दीपक को नहीं देखें।
- इस दीपावली से प्रत्येक अमावस्या तिथि को पूर्वजों के नाम पर कुछ सफेद खाद्य पदार्थ जरूरतमंदों को दान करने और साल में दो बार मंगलवार के दिन रक्तदान से धन की कमी दूर होगी।
- 'श्रीमद्भगवद गीता' के तीसरे अध्याय में से गजेंद्र मोक्ष स्तोत्र का श्रावण/पाठ करने से धन की समस्या से छुटकारा मिलता है।
- घर तथा व्यावसायिक स्थल के ईशान (उत्तर-पूर्व) कोण की जगह सदैव साफ-सुथरा रखें और वहां पूजा-स्थल अवश्य बनाएं।
- प्रत्येक चतुर्थी तिथि को गणेश स्तोत्र, मंगलवार को हनुमान चालीसा, एकादशी/पूर्णिमा को विष्णु सहस्त्रनाम और शुक्रवार को वैभव लक्ष्मी का पाठ कर धन की कमी दूर कर सकते हैं।

प्रत्येक दिन -

ऊँ आर्द्रा पुष्करिणीं पुष्टिं पिंगला पद्म मालिनीम्।
चन्द्रां हिरण्मयीं लक्ष्मी जातवेदो मम आवह।।

मंत्र के 108 जाप करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

अडानी विल्मर में 43.97 फीसदी हिस्सा बेचने जा रहे गौतम अडानी !

भारत के प्रमुख बिजनेसमैन और दुनिया के सबसे अमीर बिजनेसमैन की सूची में तीसरे स्थान पर पहुंच चुके गौतम अडानी अपनी एफएमसीजी कंपनी अडानी विल्मर में 43. 97 फीसदी हिस्सेदारी बेचने जा रहे हैं.

इस संबंध में आई एक रिपोर्ट के मुताबिक, गौतम अडानी अडानी विल्मर में अपनी हिस्सेदारी बेचने के लिए कई बड़ी कंपनियों से बातचीत कर रहे हैं. इस मामले की जानकारी रखने वाले एक शख्स के मुताबिक, अडानी विल्मर की हिस्सेदारी बेचने की यह डील एक महीने के भीतर पूरी हो सकती है.

गौतम अडानी ग्रुप के पास अडानी विल्मर में 43.97 फीसदी हिस्सेदारी है. कंपनी फॉर्च्यून ब्रांड नाम के तहत खाद्य तेल, बेसन, आटा और अन्य पैकेज्ड किराना उत्पाद बेचती है. गौतम अडानी ग्रुप अडानी विल्मर में अपनी हिस्सेदारी तीन अरब डॉलर में बेचने की कोशिश कर रहा है.

वर्तमान में, संयुक्त उद्यम में सिंगापुर की विल्मर इंटरनेशनल की भी 43.97 प्रतिशत हिस्सेदारी है. अडानी विल्मर में सार्वजनिक हिस्सेदारी 12.006 प्रतिशत है. इस मामले में अडानी ग्रुप की ओर से कोई जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन इस मामले से जुड़े लोगों के मुताबिक, अडानी ग्रुप कई बिजनेस से बाहर निकलने की योजना बना रहा है.

गौतम अडानी ग्रुप इंफ्रास्ट्रक्चर और पोर्ट बिजनेस पर फोकस करने की योजना बना रहा है. अडानी विल्मर में अपनी हिस्सेदारी बेचने की योजना इसी योजना का हिस्सा है. अडानी ग्रुप इस पैसे का इस्तेमाल अपने मुख्य बिजनेस के लिए करने वाला है, फिलहाल इस रकम से कर्ज चुकाने के बारे में कोई जानकारी नहीं है.

भारत के एफएमसीजी बाजार में खाद्य तेल कारोबार में अडानी विल्मर का दबदबा है. पिछले साल कंपनी को 607 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ था. इस साल मई से अब तक अडानी विल्मर के शेयरों में कमजोरी देखने को मिली है. सोमवार को शुरुआती कारोबार में अडानी विल्मर के शेयरों में 1 रुपये की बढ़त दर्ज की जा रही थी और यह 317 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे.

Diwali Discount Offer: Renault अपनी 3 गाड़ियों पर दे रही 77,000 रुपये तक की छूट

अगर आप इस दिवाली रेनॉ की कार खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो आप रेनॉ क्विड, रेनॉल्ट ट्राइबर और रेनॉल्ट काइगर सहित पूरी रेंज पर 77,000 रुपये तक की भारी छूट पा सकते हैं. त्मदंनसज इस फेस्टिव सीजन अपने ग्राहकों के लिए खास डिस्काउंट ऑफर कर रही है. इन लाभों में नकद छूट, एक्सचेंज बोनस, कॉर्पोरेट छूट और बहुत कुछ शामिल हैं. आइए जानते हैं Renault दिवाली डिस्काउंट ऑफर के बारे में.

Renault Kiger Discount

रेनो की सस्ती एसयूवी काइगर के आरएक्सटी और आरएक्सटी (ऑप्शनल) टर्बो पेट्रोल वेरिएंट्स पर इन दिनों सबसे ज्यादा 77 हजार रुपये तक की छूट मिल रही है. वहीं, काइगर आरएक्सजेड वेरिएंट पर 20 हजार रुपये डिस्काउंट मिल रहा है. आपको बता दें कि रेनो काइगर की एक्स शोरूम महज 6.5 लाख रुपये से शुरू होती है.

Renault Triber Discount

भारत में रेनो की सस्ती 7 सीटर एमपीवी ट्राइबर पर दीवाली ऑफर के तहत 62 हजार रुपये तक की छूट दी जा रही है. जहां इसके बेस मॉडल आरएक्सई पर सिर्फ 10 हजार रुपये का लॉयल्टी बोनस दिया जा रहा है, वहीं अर्बन नाइट एडिशन पर लॉयल्टी और एक्सचेंज बोनस दोनों का फायदा दिया जा रहा है. आपको बता दें कि रेनो ट्राइबर के बाकी वेरिएंट पर आपको 20 हजार रुपये कैश डिस्काउंट के साथ ही 20 हजार रुपये एक्सचेंज बोनस, 10 हजार रुपये लॉयल्टी बोनस और 12 हजार रुपये कॉर्पोरेट डिस्काउंट दिया जा रहा है. रेनो ट्राइबर की एक्स शोरूम प्राइस 6.33 लाख रुपये से शुरू होकर 8.97 लाख रुपये तक जाती है.

Renault Kwid Discount

रेनॉ क्विड पर कंपनी 62 हजार रुपये तक की भारी छूट दे रही है, जिसमें 20 हजार रुपये कैश डिस्काउंट, 20 हजार रुपये तक का एक्सचेंज बोनस, 10 हजार रुपये तक का लॉयल्टी बोनस, 12 हजार रुपये तक का कॉर्पोरेट डिस्काउंट शामिल हैं. ये ऑफर बेस-स्पेक आरएक्सई वेरिएंट को छोड़कर, रेनॉ क्विड के सभी वेरिएंट पर मान्य हैं. एंट्री-लेवल हैचबैक का अर्बन नाइट संस्करण केवल लॉयल्टी और एक्सचेंज लाभ के साथ आता है. ज्ञूपक का बेस-स्पेक तम वेरिएंट केवल 10,000 रुपये तक के लॉयल्टी बोनस के साथ उपलब्ध है. रेनॉ क्विड की कीमत 4.70 लाख रुपये से 6.45 लाख रुपये तक है.

ORGALIFE®

Eat Organic, Stay Healthy

CERTIFIED ORGANIC PRODUCTS

Range of 100% Natural & Eco Friendly Products

Product	MRP	Price
हिमालयन पिंक सॉल्ट	~~140/-~~	120/-
आर्गेनिक गुड	~~130/-~~	115/-
आर्गेनिक गुड पाउडर	~~130/-~~	115/-
गुड चना	~~150/-~~	135/-
गुड खुरचन	~~115/-~~	94/-
गुड पान	~~140/-~~	125/-
गुड पाचक	~~140/-~~	120/-
टी मसाला	~~175/-~~	160/-
रेड राइस	~~180/-~~	160/-
ब्लैक राइस	~~180/-~~	165/-
ब्राउन राइस	~~125/-~~	155/-
रामजीरा राइस	~~210/-~~	190/-
दुबराज राइस	~~160/-~~	145/-
हर्बल सोप	~~170/-~~	155/-
नारियल तेल	~~560/-~~	545/-
लाल मिर्च पाउडर	~~110/-~~	95/-
A2 घी	~~430/-~~	410/-
आम का अचार	~~175/-~~	154/-
मिक्स दाल	~~130/-~~	115/-
मसूर दाल	~~125/-~~	110/-
चना दाल	~~110/-~~	90/-
मूंग दाल (बिना छिलका)	~~130/-~~	115/-
उड़द दाल (छिलका)	~~130/-~~	115/-
झुरगा	~~125/-~~	110/-
काबूली चना	~~160/-~~	145/-
राजमा जम्मू	~~145/-~~	120/-
मल्टी ग्रेन दलिया	~~110/-~~	85/-
मूंग दाल (छिलका)	~~140/-~~	120/-
सुजी	~~80/-~~	60/-
साबुत चना	~~95/-~~	75/-
गेंहू आटा	~~110/-~~	85/-
चना बेसन	~~115/-~~	90/-
उड़द दाल(बिना छिलका)	~~140/-~~	120/-
अरहर दाल	~~145/-~~	130/-
रागी फ्लोर	~~110/-~~	85/-
राइस पोहा	~~90/-~~	77/-

More Then 100+ Organic Grocery Products

Add.: Magneto Mall, Basement infront of Smart Bazar, Raipur (C.G.)
E-kart Shop at Spree Walks, Marine Drive, Telibandha, Raipur (C.G.)

Scan & Shop Now

ORGALIFE®

Organic Store On Wheel

START YOUR OWN BUSINESS WITH MINIMUM INVESTMENT

LOW INVESTMENT

HIGH MARGIN

- Low investment.
- Zero Royalty.
- Product Support.
- High-Profit Margin.
- Easy to Work Model.
- Setup in Minimum Cost.
- Moisture control & Vacuum packaging.
- Organic cultivation standards have been adhered by our farmers.
- Software Oriented Billing & Inventory System.
- Inventory Support.
- Advertisement Support.
- Get Online Orders Through Our Website.

Connect on

For More Info Please Call: +91- 97551 36336 www.orgalife.in care@orgalife.in

Follow us on